RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 8 अंक : 05 | लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2024 से 5 दिसम्बर 2024 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 10 रूपये

सम्पादक की कलम से ...

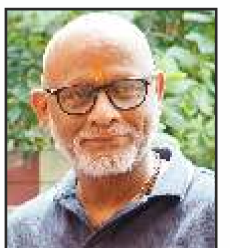

प्रिय फोटोग्राफर साथियों,

स्टूडियो न्यूज़ के नवंबर 2024 अंक में आपका स्वागत है। फोटोग्राफी ने अपनी शुरूआत से लेकर आज तक एक लंबा और रोमांचक सफर तय किया है। यह केवल तस्वीरें खींचने का माध्यम नहीं रहा, बल्कि हमारी संस्कृति, समाज और तकनीकी विकास का प्रतिबिंब भी बन गया है। तकनीकी प्रगति ने इस कला को एक नई दिशा दी है, जिससे फोटोग्राफरों के लिए नए अवसर और चुनौतियां सामने आ रही हैं। आज, फोटोग्राफी के क्षेत्र में हो रहे बदलावों पर गौर करें तो सबसे बड़ा योगदान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल तकनीक का है। AI-संचालित कैमरे न केवल रचना (Composition) को बेहतर बनाते हैं, बल्कि विषय पहचान (Subject Recognition), चेहरों की ट्रैकिंग और एक्सपोज़र सेटिंग जैसी सुविधाएं भी प्रदान करते हैं। इसके अलावा, यह तकनीक समय के साथ सीखने और सुधारने में सक्षम है, जिससे फोटोग्राफर्स को अधिक रचनात्मकता के साथ काम करने का मौका मिलता है।

3डी इमेजिंग और वर्चुअल रियलिटी फोटोग्राफी में क्रांति ला रही हैं। अब फोटोग्राफर्स 3D इमेजिंग का उपयोग कर त्रि-आयामी छवियां और डिजिटल मॉडल बना सकते हैं। वर्चुअल रियलिटी (VR) और ऑगमेंटेड रियलिटी (AR) जैसे अनुभव दर्शकों को फोटोग्राफी के साथ इमर्सिव तरीके से जुड़ने का मौका देते हैं। AR फोटोग्राफी वास्तविक दुनिया पर डिजिटल इमेज ओवरले कर एक नया और अनूठा अनुभव प्रदान करती है।

कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी, जो AI और पारंपरिक फोटोग्राफी तकनीकों का संयोजन है, फोटोग्राफर्स को HDR और फोकस स्टैकिंग जैसी नई क्षमताओं के साथ बेहतर तस्वीरें खींचने में सक्षम बनाता है। इससे अधिक गहराई और डायनेमिक रेंज के साथ छवियां तैयार की जा सकती हैं। फोटोग्राफी में तकनीक के साथ-साथ सामाजिक और नैतिक बदलाव भी देखने को मिल रहे हैं। आज फोटोग्राफर्स अपने काम के पर्यावरणीय प्रभाव को समझने और स्थायी प्रथाओं (Sustainability Practices) को अपनाने के लिए कदम उठा रहे हैं। सोशल मीडिया ने फोटोग्राफी को और अधिक लोकतांत्रिक बना दिया है, जहां स्मार्टफोन रखने वाला कोई भी व्यक्ति अपनी तस्वीरें साझा कर सकता है और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर सकता है। आने वाले समय में, यह महत्वपूर्ण है कि हम इन तकनीकों को अपनाएं और अपने कौशल को लगातार उन्नत करें। AI, 3डी इमेजिंग और सोशल मीडिया जैसे प्लेटफार्म फोटोग्राफर्स को अपनी रचनात्मकता को नई ऊंचाई पर ले जाने का अवसर दे रहे हैं।

फोटोग्राफी का भविष्य रचनात्मकता, तकनीक और नैतिकता का समागम है। यह आप पर निर्भर करता है कि आप इस बदलते दौर में अपनी पहचान कैसे बनाते हैं? हम आशा करते हैं कि यह अंक आपको प्रेरित करेगा और आपके फोटोग्राफी के सफर को नई दिशा देगा। स्टूडियो न्यूज़ की इस यात्रा में आपका साथ हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस पत्रिका को अपने फोटोग्राफर साथियों के साथ साझा करें, ताकि अधिक से अधिक लोग फोटोग्राफी की नई तकनीकों और विचारों से लाभान्वित हो सकें।

अंत में, हम सभी पाठकों का आभार व्यक्त करते हैं और आशा करते हैं कि आप इस अंक का आनंद लेंगे और इससे कुछ नया सीखेंगे। शेष अगले अंक में। आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे ऐसी ईश्वर से कामना हैं। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक इन दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते है।

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

Canvera कम्पनी के CEO कुलतार सिंह मदान को स्टूडियो न्यूज के सम्पादक सुरेन्द्र सिंह बिष्ट स्टूडियो न्यूज की प्रति भेंट करते हुए साथ में PAUP अध्यक्ष दिनेश वर्मा एवं Canvera कम्पनी से बी.आई. रिजवी उपस्थित रहे।

फोटोशाप और AI वर्कशाप, वाराणसी (मेंटर राजीव शर्मा) (17 अक्टूबर 2024)

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

Cannon ने RF-S 7.8mm F4 STM ड्यूल लेंस पेश किया

कैनन ने अपना नया RF-S 7.8mm F4 STM Dual लेंस लॉन्च किया है, जो सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स और वीडियोग्राफर्स के लिए अनुकूल है। इस लेंस में 7.8mm फोकल लेंथ और 63 डिग्री एंगल ऑफ व्यू है, जो 3D और स्पैटियल कंटेंट बनाने के लिए उपयुक्त है। इसका स्टीरियोस्कोपिक डिज़ाइन 11.6mm इंटरप्यूपिलरी दूरी के साथ शानदार 3D इफेक्ट्स देता है। यह लेंस EOS R7 कैमरे के साथ 3D 180 डिग्री VR वीडियो कैप्चर करने में सक्षम है।

Panasonic ने Lumix S9 के नए किट लेंस 18-40mm F4.5-6.3 लॉन्च किया

Panasonic ने Lumix S9 के लिए 18-40mm F4.5-6.3 किट लेंस लॉन्च करने की घोषणा की है। यह लेंस फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए छोटे और हल्के लेंस के विकल्प प्रदान करने के उद्देश्य से बनाया गया है, साथ ही यह लेंस -10°C तक के तापमान में कार्य कर सकता है। इस नए लेंस के साथ, Panasonic ने Lumix S9 को और भी आकर्षक बनाने का प्रयास किया है, जो क्रिएटर्स के लिए एक आदर्श विकल्प साबित हो सकता है।

फुजीफिल्म ने X माउंट के लिए XF 500mm 5.6 टेलीफ़ोटो प्राइम लेंस लांच किया

फुजीफिल्म ने APS-C X माउंट सिस्टम के लिए XF 500mm F5.6 R LM OIS WR सुपर टेलीफोटो प्राइम लेंस लॉन्च किया है, जो खासतौर पर बर्ड और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें 5.5 स्टॉप की ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइजेशन और फ़ास्ट ऑटोफोकस सिस्टम है, जो बेहतरीन शॉट्स सुनिश्चित करता है। यह लेंस प्रोफेशनल्स के लिए एक अच्छा विकल्प है।

DJI ने Air 3S ड्रोन ड्यूल-कैमरा के साथ बड़े सेंसर और LiDAR तकनीक के साथ लॉन्च किया

एरियल फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाते हुए, DJI ने अपने नए Air 3S ड्रोन को लॉन्च किया है।

इस ड्रोन में बेहतर ड्यूल-कैमरा सिस्टम है, जो बड़े सेंसर के साथ आता है, जिससे तस्वीर की गुणवत्ता और भी बेहतर हो गई है। इसके अलावा, यह LiDAR तकनीक से लैस है, जो ड्रोन के रास्ते में आने वाली रूकावटों को पहचानने और उसके आस-पास नेविगेशन क्षमताओं को और सटीक बनाती है।

Amaran ने छोटे आकार की LED लाइट्स Ace 25x और Ace 25c लॉन्च की

Amaran ने Ace 25x बाई-कलर (X) और Ace 25c फुल-कलर (C) LED लाइट्स लॉन्च की हैं, जो ट्रैवल फोटोग्राफी, व्लॉगिंग और अन्य गतिविधियों के लिए उपयुक्त हैं। 5,600 केल्विन पर Ace 25x 6,320 lux की रोशनी, जबकि Ace 25c 4,440 lux की रोशनी उत्पन्न करती है। Amaran Ace सीरीज़ की लाइट 32 watt की बहुत तेज रोशनी प्रदान करती हैं, जिसे Amaran ने इस श्रेणी में सबसे तेज रोशनी बताया है। ये लाइट्स एक वॉलेट के आकार में आती हैं, जो उन्हें आसानी से पोर्टेबल बनाती है। हर लाइट का वजन 300 ग्राम है और नई Ace Lock इकोसिस्टम की वजह से लाइट को तेजी से माउंट और अनमाउंट किया जा सकता है। ये लाइट्स चारकोल, सफेद, सिल्वर, गुलाबी और हरे रंगों में उपलब्ध हैं, जो आपकी किट के अपुसार कस्टमाइजेशन की सुविधा प्रदान करती है।

फूजीफिल्म ने नया कॉम्पैक्ट XF 16-55mm F2.8 R LM WR II लेंस लॉन्च किया

फूजीफिल्म ने FUJINON XF 16-55mm F2.8 R LM WR II लेंस का नया संस्करण लॉन्च किया है, जो 16-55mm के पूरे जूम रेंज में F2.8 अपर्चर के साथ बेहतरीन इमेजिंग देता है। यह लेंस पहले के मुकाबले अधिक कॉम्पैक्ट और हल्का है, जिससे इसे कहीं भी ले जाना बेहद सुविधाजनक हो गया है। इसके अलावा, इसमें वेदर-रेसिस्टेंट डिज़ाइन और स्मूद अपर्चर कन्ट्रोल जैसी विशेषताएँ हैं, जो फोटो और वीडियो दोनों के लिए इसे बेहतरीन बनाती हैं। यह लेंस फोटोग्राफरों को ज्यादा क्रिएटिविटी और बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद करेगा।

THYPOCH ने सोनी E-माउंट के लिए Simera-C सिनेमेटिक lens पेश किया

THYPOCH ने DZOFilm के सहयोग से Simera-C श्रृंखला के नए मैनुअल-फोकस सिनेमेटिक लेंस लॉन्च किए हैं। इस श्रृंखला में चार फोकल लेंथ शामिल हैं 28 मिमी, 35 मिमी, 50 मिमी, और 75 मिम, सभी T/1.5 अपर्चर के साथ हैं।

ये लेंस आल मैटल से बने हैं, जो इन्हें मजबूत बनाते हैं, साथ ही वजन में हल्के होने के कारण यह लेंस हाथ में पकड़े जाने और ड्रोन फिल्मिंग के लिए उपयुक्त हैं। इनके 210-डिग्री फोकस थ्रो की मदद से सटीक मैनुअल फोकसिंग की जा सकती है।

विशेष रूप से, 16-ब्लेड अपर्चर के साथ यह लेंस प्राकृतिक और सुंदर बैकग्राउंड ब्लर प्रदान करते हैं।

Leica ने मिररलेस कमरों के लिए Adobe के Frame.io कैमरा-टू-क्लाउड सिस्टम के साथ साझेदारी की

Leica SL3 में यह सुविधा फर्मवेयर अपडेट के माध्यम से उपलब्ध होगी। इससे उपयोगकर्ता मिनटों में सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा कर सकेंगे, और अपने कार्यों को बेहतर बनाने के साथ-साथ समय पर पूरा कर सकेंगे।

Insta360 ने Ace Pro 2 एक्शन कैमरा लॉन्च किया

Insta360 का Ace Pro 2 एक्शन 8K वीडियो और 50MP फोटो कैप्चर करने में सक्षम है। इस कैमरे में 1/1.3" सेंसर और Leica के Summarit F2.6 लेंस (157° FOV) के साथ, नए फीचर्स Active HDR, Flow State स्टेबिलाइज़ेशन, 360° होराइजन लॉक, और Pure Video जैसी AI तकनीक शामिल हैं, जो कम रोशनी में नॉइज़ को कम करती है। Insta360 का फोकस एडवेंचर और स्पोर्ट्स लवर्स पर है, जो कैमरे की AI-संचालित एडिटिंग और स्पोर्ट्स ऐप इंटीग्रेशन से आसानी से आकर्षक कंटेंट बना सकते हैं।

Sirui ने Sony, Nikon और Fujifilm के लिए 85mm F1.4 फुल-फ्रेम ऑटोफोकस लेंस पेश किया

Sirui ने सोनी E-माउंट, निकॉन Z-माउंट और फुजीफिल्म X-माउंट के लिए नया 85mm F1.4 फुल-फ्रेम ऑटोफोकस लेंस पेश किया है। यह लेंस उन फोटोग्राफरों और वीडियोग्राफरों के लिए बनाया गया है, जो किफायती पोर्ट्रेट लेंस की तलाश में हैं। फुजीफिल्म X-माउंट पर इसका फोकल लेंथ लगभग 128mm फुल-फ्रेम के बराबर है। इसमें AF/MF स्विच, ऑटोफोकस लॉक बटन जैसी विशेषताएं दी गई हैं। यह लेंस डस्टप्रूफ और वॉटरप्रूफ है, साथ ही इसके फ्रंट एलिमेंट पर ऑयल और पानी से सुरक्षा के लिए फ्लोरिन कोटिंग भी है। यह लेंस एक ऐसा विकल्प है, जो सोनी, निकॉन और फुजीफिल्म माउंट्स पर बेहतर तस्वीरें लेने में सहायक है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2024 से 5 दिसम्बर 2024

इंसान की इंसान से पहचान कराने में फोटोग्राफी एक अहम जरिया है। - एडवर्ड स्टीकेन

Canon
Delighting You Always

EOS R5
Mark II
Timeless
Legacy

फ़िल्म निर्माताओं और फोटोग्राफरों के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प

कैनन की 5D सीरीज़ ने फोटोग्राफी और सिनेमैटोग्राफी में हमेशा से उत्कृष्टता का मानदंड स्थापित किया है। अब, EOS R5 Mark II के लॉन्च के साथ, कैनन ने 5D सीरीज़ की शानदार विरासत को जारी रखते हुए फिर से संभावनाओं को नया रूप दिया है। अत्याधुनिक तकनीक और बेहतरीन प्रदर्शन के साथ, यह कैमरा फिल्म निर्माताओं और फोटोग्राफरों के लिए एकदम सही विकल्प है।

तस्वीर की बेमिसाल गुणवत्ता

नई विकसित फुल-फ्रेम बैक-इल्यूमिनेटेड स्टैक्ड CMOS सेंसर के साथ अद्भुत स्पष्टता का अनुभव करें, जो प्रभावी 45 मेगापिक्सल तक की गुणवत्ता प्रदान करता है और 100-51200 के मानक ISO रेंज के साथ किसी भी रोशनी में शानदार तस्वीरें कैद कर सकता है। इलेक्ट्रॉनिक शटर में रोलिंग शटर डिस्टॉर्शन को भी कम किया गया है। इसके अलावा, इन-कैमरा अपस्केलिंग और न्यूरल नेटवर्क नॉइज़ रिडक्शन छवि गुणवत्ता को 179 मेगापिक्सल तक बढ़ा देता है, और डीप लर्निंग AE/WB एनालिसिस की मदद से मुश्किल दृश्यों में भी सटीकता को बेहतर बनाता है।

पावर और स्पीड

DiG!C X प्रोसेसर और DiG!C एक्सेलेरेटर से संचालित, EOS R5 Mark II उच्च गति की शूटिंग, तेजी से ऑटोफोकस और एक साथ स्टिल फोटो और मूवी शूटिंग प्रदान करता है। सिनेमैटिक 8K 60p RAW, 4K 60p SRAW इन-कैमरा रिकॉर्डिंग के साथ-साथ 4K 120p और 2K 240p स्लो मोशन वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग के साथ का आनंद लें। कैनन का C-Log 2 फिल्म जैसी विशेषताएं प्रदान करता है, जिससे विवरण बनाए रहते हैं और एक विस्तृत डायनामिक रेंज मिलती है।

उन्नत ऑटोफोकस और स्थिरीकरण

Dual Pixel Intelligent AF

डुअल पिक्सल इंटेलिजेंट AF और डीप लर्निंग तकनीक से तेजी से ऑटोफोकस गणना होती है, जिसमें DL ट्रैकिंग और एक्शन प्रायोरिटी शामिल हैं। क्रांतिकारी इमेज स्टेबलाइजेशन और आई-ट्रैकिंग फीचर्स किसी भी स्थिति में परफेक्ट शॉट की गारंटी देते हैं, जिससे पल को कैद करना पहले से कहीं आसान हो जाता है।

अपनी कला को और बेहतर बनाएं

कैनन EOS R5 Mark II एक कैमरे से कहीं अधिक है; यह उत्कृष्टता का प्रतीक है। पेशेवर फोटोग्राफरों और फिल्म निर्माताओं की उच्चतम मांगों को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया, यह हर पल को शानदार विवरण में कैद करता है। अपनी कला को ऊंचा उठाएं और उन पेशेवरों की कतार में शामिल हों जो कैनन 5 सीरीज़ की समय-सिद्ध विरासत पर भरोसा करते हैं। EOS R5 Mark II आपकी बेहतरीन कृति बनाने में मदद के लिए यहाँ है।

अधिक जानकारी के लिए, in.Canon पर जाएं या अपने अधिकृत कैनन इंडिया डीलर से आज ही संपर्क करें।

एक्सपोज़र ट्रायंगल

अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

(भाग-2)

एक्सपोज़र ट्रायंगल- च्तज 2

नमस्कार दोस्तों। उम्मीद है आप सब अच्छे होंगे। हमने पिछले आर्टिकल्स में अपर्चर, शटर और आईएसओ के बारे में डिटेल्ड डिस्कशन्स किये थे। हमने एक्सपोज़र ट्रायंगल को अपर्चर + शटर और आईएसओ के माध्यम से समझने की कोशिश की थी। चलिए आज जानने की कोशिश करते हैं कि एक्सपोज़र ट्रायंगल कैसे काम करता है? एक्सपोज़र ट्रायंगल को समझने के लिए आपको "एक्सपोज़र ट्रायंगल स्टॉप्स" और "बैलेंस इन एक्सपोज़र ट्रायंगल" को समझना पड़ेगा। आइये सबसे पहले "एक्सपोज़र ट्रायंगल स्टॉप्स" के बारे में समझते हैं। एक्सपोज़र ट्रायंगल स्टॉप्स को "फोटोग्राफी स्टॉप्स" भी कहते हैं। इन्ही स्टॉप्स के जरिये ही आप कैमरे की लाइट को हाफ या डबल कर पाते हैं और यह लाइट ही सेंसर पर जाकर इमेज को स्टोर करती है। जैसे अगर आप शटर स्पीड को 4000 से 2000 पर ला रहे हैं तो आप एक्चुअली ऍफ़ स्टॉप को 1 पॉइंट बढ़ा रहे हैं जिसकी वजह से लाइट का अमाउंट डबल हो जा रहा है और आपके सेंसर पर लाइट ज्यादा पड़ रही है। उसी तरह से जब आप आईएसओ को एक स्टॉप डाउन करते हैं, जैसे कि 400 आईएसओ को 200 आईएसओ पर लाते हैं तो आप लाइट को एक्चुअली हाफ कर रहे हैं। अपर्चर के केस में आप यह रूल फॉलो नहीं कर सकते क्यूंकि ऍफ़ नंबर्स उस ऑर्डर्स में नहीं चलते जिस ऑर्डर्स में आइसो और शटर स्पीड के नंबर्स चलते हैं। मेरी इस बात को समझने के लिए आप नीचे दिए गए चार्ट को देख के समझ सकते हैं कि कैसे शटर और आईएसओ के नंबर्स तो एक ही ऑर्डर में चल रहे पर अपर्चर के ऍफ़ नंबर्स की काउंटिंग एकदम डिफरेंट चल रही है। चार्ट में अपर्चर की नंबरिंग देखिये 32, 22, 16, 11 इस तरह ऊपर से नीचे की तरफ बढ़ रही है, वहीं शटर स्पीड 4000, 2000, 1000, 500, 250 इस काउंटिंग में ऊपर से नीचे जा रही है और आईएसओ के नंबर्स 50, 100, 200, 400, 800 इस आर्डर में बढ़ रहे हैं। एक्सपोज़र स्टॉप्स के बाद हमारा जो फाइनल गोल होता है वो है "बैलेंस इन एक्सपोज़र ट्रायंगल "। ये बैलेंस बनता है एक्सपोज़र ट्रायंगल की वैल्यू को जीरो के आस-पास लाने पर। इस नियम के अनुसार आप जब ट्राइंगल का एक पार्ट एडजस्ट करते हैं तो आपको बाकि दोनों की तरफ में से एक या दोनों ही पार्ट को भी एडजस्ट करना पड़ता है ताकि पूरे ट्राइंगल का बैलेंस बना रहे। अब अगर आपके एक्सपोज़र ट्रायंगल की एक्सपोज़र वैल्यू अगर जीरो पर है और आपको अपर्चर के दो स्टॉप्स बढ़ाने हैं तो आपको वैल्यू मेन्टेन करने के लिए आईएसओ और शटर के एक या दो स्टॉप्स घटाने होंगे।

जैसे कि अगर आप एक सीन शूट कर रहे हैं जिसमे एक चिड़िया को आपको फ्रीजिंग मोशन में कैप्चर करना है और आपने अपने कैमरे की सेटिंग को f/8, 1/2000th, and ISO 200 पर रखा है। पर आपको इस सेटिंग पर शूट करने पर वह रिज़ल्ट नहीं मिल रहा जो आपको चाहिए, तो जब आपको चिड़िया एकदम स्टिल फॉर्म में कैप्चर करनी है तो आपको अपनी शटर स्पीड की वैल्यू को बढ़ा के 1/4000th पर करनी पड़ेगी। और ऐसी सिचुएशन में आपको एक्सपोज़र वैल्यू को मेन्टेन करने के लिए या तो अपर्चर की एफ वैल्यू को कम करके f/8 से f/5.6 पर करना पड़ेगा या फिर आइसो की वैल्यू को बढ़ा के ISO200 to ISO400 तक करना पड़ेगा ताकि आपको आपका मन माफिक रिजल्ट मिल सके। तो इस उदाहरण से जो एक सिंपल बात समझ में आती है कि अगर फास्टर शटर स्पीड का इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपको एक्सपोज़र कण्ट्रोल करने के लिए या तो अपर्चर को वाइड करना पडेगा या फिर आईएसओ की वैल्यू को बढ़ाना पड़ेगा। अब इसमें कोई ऐसा हार्ड एंड फ़ास्ट रूल तो हो नहीं सकता की आपको पहले किस सेटिंग को एडजस्ट करेंगे इसलिए आपको जो भी चेंजेज सेटिंग्स में करने हैं वो अपनी आवश्यकता के हिसाब से करने पड़ेंगे। सारी कंडीशन लाइटनिंग और सिचुएशन के हिसाब से ही समझ के एडजस्ट करनी पड़ेगी। अब अगर दूसरा उदाहरण लेते हैं जैसे अगर आप कोई सीनरी शूट कर रहे है जिसमें आप काफी बड़ा एरिया फोकस में चाहते हैं तो आपको एक बड़े साइज़ का अपर्चर यूज़ करना पड़ेगा जिसकी वजह से लाइट काफी बढ़ जाएगी। और उस एक्स्ट्रा लाइट को कण्ट्रोल करने के लिए आपको शटर स्पीड को बढ़ाना पड़ेगा और आइसो को घटाना पड़ेगा। अब अगर तीसरा उदाहरण लेते हैं जैसे कि अगर आप मिल्की वे या स्टार्स शूट कर रहे हैं तो आपको ऐसी कंडीशन में अपने अपर्चर को वाइड रखना पड़ेगा और शटर स्पीड बहुत ही कम रखना पड़ेगा ताकि भरपूर लाइट कैमरा अपने अंदर कैप्चर कर सके और उसके बाद आपको फिर आईएसओ की सारी वैल्यूज ओपन करनी होगी ताकि बची खुची लाइट भी कैमरा अपने अंदर पूरी तरह से ले सके। उसी तरह से अगर एक उड़ती हुई चिड़िया या भागता हुआ कोई जानवर शूट कर रहे हैं तो आपको शटर स्पीड को हाई रखना पड़ेगा जिसकी वजह से लाइट कम हो जाएगी और आपको अपर्चर और आईएसओ से बाकी का करेक्ट एक्सपोज़र अचीव करना होगा। नीचे आपको एक एक्सपोज़र ट्रायंगल चार्ट दिया जा रहा है जिससे आप तीनो सेटिंग्स के आपस के रिलेशन को समझने में आसानी मिलेगी। तो दोस्तों इस अंक में इतना ही उम्मीद है आप लोगो को इस बार का आर्टिकल भी पसंद आया होगा अपना बहुत ख्याल रखें। बाए।

EXPOSURE TRIANGLE

EXPOSURE TRIANGLE STOPS

Photography Stops	Aperture (F-stop)	Shutter Speed	ISO
1	32	1/4000	50
2	22	1/2000	100
3	16	1/1000	200
4	11	1/500	400
5	8	1/250	800
6	5.6	1/125	1600
7	4	1/60	3200
8	2.8	1/30	6400
9	2	1/15	12800
10	1.4	1/8	25600

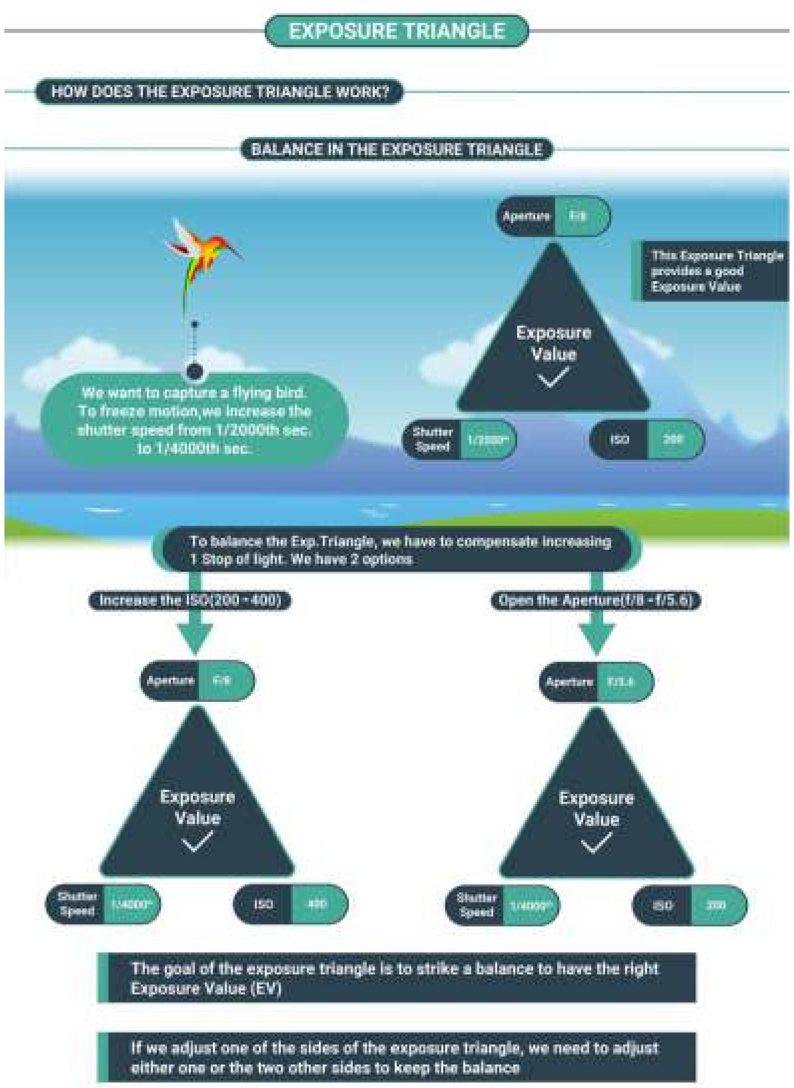

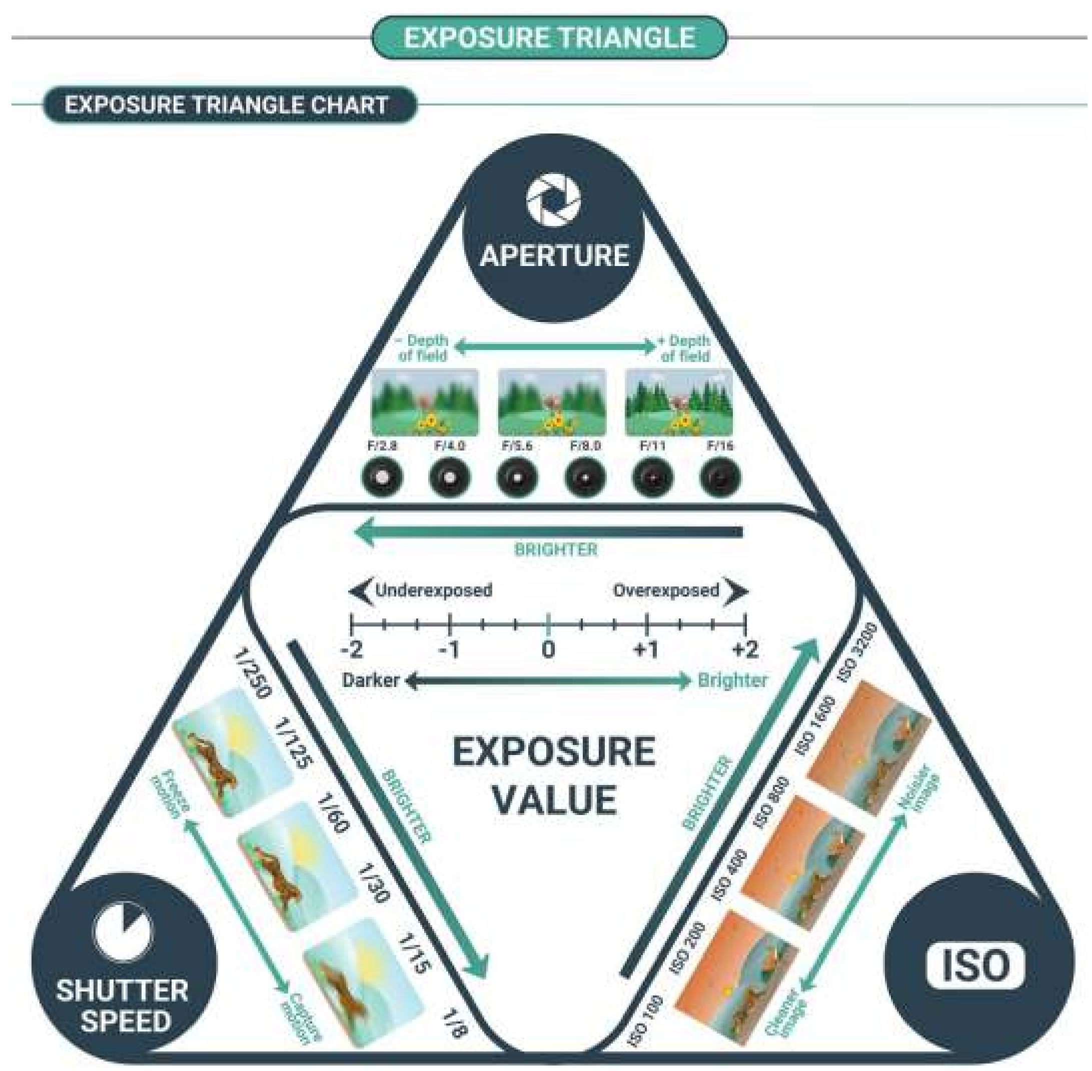

SIGMA

Preferred Lens for Wedding Photographers

MADE
IN AIZU,
JAPAN

Beyond standard

A Art

28-105mm F2.8 DG DN NEW

Designed exclusively for full-frame mirrorless cameras

Available mount: L-Mount, Sony E-Mount

*L-Mount is a registered trademark of Leica Camera AG.

sigma-global.com   www.sigmaindia.in

0% INTEREST BAJAJ FINSERV FINANCE AVAILABLE
ATTRACTIVE EMI OPTIONS
6 / 0 | 8 / 0 | 12 / 4

Authorised Importers and Distributors: Shetala Agencies Pvt Ltd

Chennai - 7305043994, Bangalore – 9900015547, Kerala – 9176669842, Mumbai – 9619825776, Delhi - 8105409366, Kolkatta - 9830375753, Hyderabad – 9700885776

Authorised Service Centres: SOUTH: Chennai, Shetala Cameras 9444401805, Camera Service Centre : 8056151501
Bangalore: Shetala Cameras 9900015547, Sri Benaka Enterprises: 9620086170, Kerala Camera Scan: 9447212721, Hyderabad: Shetala Camera: 9700888576, Sri Venkateswara Electronics 9912709000,
WEST: Prabhakar Service Centre, Mumbai 9167110317, J.K.Electronics: 9819046288, **EAST:** Capital Enterprise (P) Ltd, Kolkatta 033-22282020. **NORTH:** Omax Camera Care, Delhi. 9810965674

फूड फोटोग्राफी और लाइटिंग

स्मिता श्रीवास्तव
फूड स्टाइलिस्ट एडं फोटोग्राफर

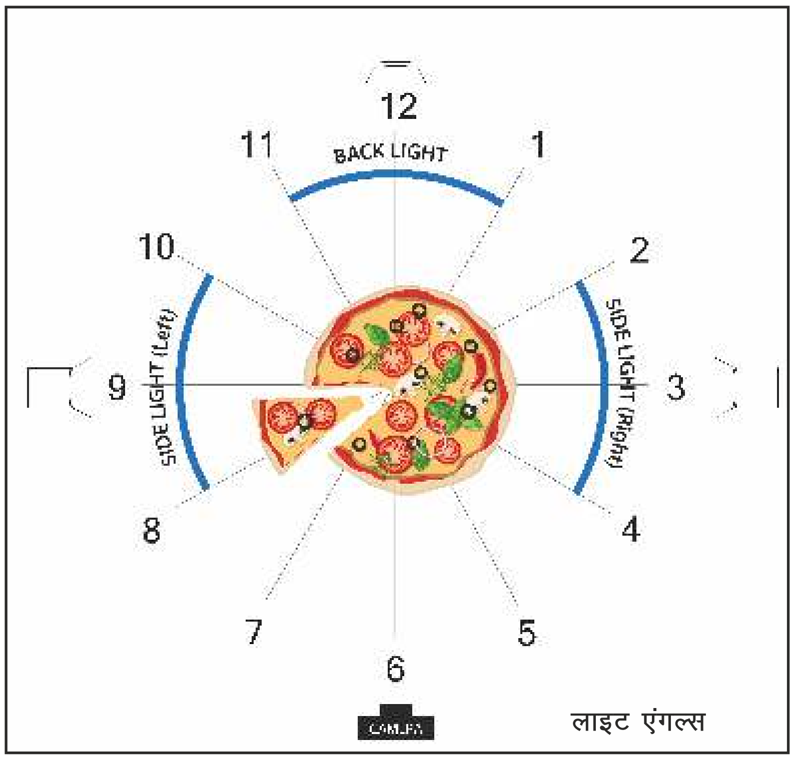

लाइट एंगल्स

साइड लाइट

अन्य फोटोग्राफी शैलियों की तरह फूड फोटोग्राफी में भी लाइट सबसे महत्त्वपूर्ण है। जहाँ अच्छी लाइट साधारण से दिखने वाले खाने के रंग एवं बनावट को बखूभी निखार सकती है, वहीं खराब लाइटिंग अत्यंत खूबसूरत दिखने वाले खाद्य पदार्थ का भी आकर्षण कम कर देती है। लाइट चाहे नेचुरल हो या आर्टिफिशियल सोर्स से, एक अच्छी फोटोग्राफ खींचने के लिए बस आपको उसको कलात्मक ढंग से उपयोग करना आना चाहिए। सामान्यतः फूड फोटोग्राफी का सेटअप बहुत बड़ा नहीं होता है इसलिए आप एक या दो लाइट्स, कुछ डिफ्यूजर और रेफ्लेक्टर्स से मनचाहा आउटपुट आसानी से पा सकते हैं। फोटोग्राफिक लाइट्स या स्ट्रोब्स के आभाव में नेचुरल लाइट का भी इस्तेमाल करके बखूबी से फोटो खींची जा सकती है।

लाइट को मुख्यता हार्ड लाइट और सॉफ्ट लाइट में बांटा जा सकता हैं।

हार्ड लाइट - सूर्य की रौशनी या डायरेक्ट लाइट के सोर्स से निकलने वाली तेज़ लाइट को हार्ड लाइट कहते हैं। पिक्चर में हाई कंट्रास्ट के साथ-साथ यह लाइट आयाम (डेप्थ एंड डायमेंशन) और परछाईं को भी बखूबी दर्शाती है। पिक्चर को कलात्मक, ग्राफ़िक या आउटडोर लुक देने के लिए, तेज़ दोपहर या धूप-छाँव के मूड शॉट के लिए अक्सर हार्ड लाइट का इस्तेमाल किया जाता है। छोटा या पास में रखा हुआ डायरेक्ट लाइट सोर्स हार्ड लाइट देता है।

सॉफ्ट लाइट - हार्ड लाइट को किसी डिफ्यूजर, कागज़ या पारदर्शी कपड़े की सहायता से उसकी तीव्रता कम करके उसे सॉफ्ट लाइट या डिफ्यूज्ड लाइट में बदला जा सकता है। सॉफ्ट लाइट फूड के टेक्सचर के साथ-साथ उसके रंग और डिटेल्स को भी निखारने में मदद करती है। बड़ा या दूर रखा हुआ लाइट सोर्स पास रखे या छोटे लाइट सोर्स के उपेक्षा सॉफ्टर लाइट देता है।

लाइट एंगल्स

लाइट के साथ-साथ लाइट एंगल्स को समझना भी उतना ही ज़रूरी है। साधारण भाषा में लाइट एंगल का अर्थ है वह दिशा जिधर से लाइट आपके सब्जेक्ट पर पड़ रही हो। फूड फोटोग्राफी में साइड लाइट और बैक लाइट का काफी इस्तेमाल होता है। सिंगल लाइट स्रोत और कुछ लाइट मॉडिफायर्स (डिफ्यूजर और रेफ्लेक्टर्स) का उपयोग करके साधारण से दिखने वाले सब्जेक्ट को भी खूबसूरती से खींचा जा सकता है।

एक अच्छी फोटो में हाईलाइट, डेप्थ और शैडोस का समन्वय होना बहुत ही महत्त्वपूर्ण है।

साइड लाइट - जब लाइट सब्जेक्ट के दायीं या बायीं साइड में हो तो उसे साइड लाइट कहा जाता है। यह साइड लाइट स्ट्रोब, आर्टिफीशियल लाइट या खिड़की से आती धूप हो सकती है। लाइट की दिशा को घड़ी के उदाहरण द्वारा समझना काफी आसान है। कल्पना कीजिये कि फूड घडी के मध्य में रखा है और कैमरा 6 बजे पर, ऐसे में यदि लाइट को 2 से 4 या 8 से 10 के बीच रखा जाये तो वह साइड लाइट कहलाएगी। फोटो में आयाम, टेक्सचर और सब्जेक्ट के आकर को निखारने वाला यह लाइट एंगल फूड के लिए काफी पसंदीदा एंगल है। एक तरफ से लाइट होने के कारण दूसरी तरफ से सब्जेक्ट को लाइट करने के लिए विपरीत दिशा में सफ़ेद या सिल्वर रिफ्लेक्टर रख के पूरे सेटअप को अच्छे से लिट् किया जाता है।

साइड लाइट

बैक लाइट - सब्जेक्ट के पीछे से आने वाली लाइट को बैक लाइट कहते हैं। साइड लाइट की तुलना में बैक लाइट ज़्यादा हाईलाइट और कंट्रास्ट देती है और इसी वजह से यह लाइट एंगल थोड़ा चुनौतीपूर्ण होता है। बैक लाइट को डिफ्यूज करके काफी कलात्मक फोटोज खींचे जा सकते हैं। पारदर्शी फूड्स एवं पेय, चॉकलेट केक, जैम जेली इत्यादि जैसे चमकीली सतह वाले फूड्स, या वह खाद्य पदार्थ जिनके ऊपरी सतह पे काफी टेक्सचर हो - के लिए बैक लाइट सर्वोत्तम रहती है। बैक लाइट इस्तेमाल करते समय सामने से या थोड़ा साइड से एक रिफ्लेक्टर रख के सामने से लाइट को फिल किया जाता है। मैक्रो फूड शॉट्स और मिनिमम स्टाइलिंग वाले फ्रेम्स के लिए भी बैक लाइट काफी उपयुक्त रहता है।

फूड फोटोग्राफी के लिए निम्न बातों का ध्यान रख कर फूड को बेहतर तरह से दिखाया जा सकता है

- **मॉडिफिएर्स द्वारा साधारण लाइट / डायरेक्ट लाइट को सॉफ्ट किया जा सकता है। लाइट डिफ्यूज करने के लिए - सॉफ्टबॉक्स, डिफ्यूजर, पारदर्शी सफ़ेद कपडा या कागज़ का उपयोग किया जा सकता है।**
- **मूड शॉट्स के लिए या सब्जेक्ट का ग्राफिकल आकार, उसकी परछाई इत्यादि को निखारने के लिए हार्ड लाइट का प्रयोग करते हैं।**
- **लाइट के अपोजिट में डार्क एरिया को भरने के लिए गोल्डन/सिल्वर रिफ्लेक्टर, बाउंस कार्ड, मैटेलिक पेपर या वाइट थर्मोकॉल का इस्तेमाल करें।**

सॉफ्ट लाइट

हार्ड लाइट

बैक लाइट

बैक लाइट

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2024 से 5 दिसम्बर 2024

काफी लोगों को यह एहसास नहीं होता कि शौकिया फोटोग्राफरों के लिए फोटोग्राफी एक मजेदार अनुभव हो सकता है पर एक पेशेवर फोटोग्राफर के लिए फोटोग्राफी काफी मेहनतकश काम सिद्ध हो सकती है। - एडवर्ड वेस्टन

महान विभूतियाँ

संतोष राजगढ़िया

AFIAP, FFIP, Hon. FIP

(9 अगस्त 1953 - 4 नवम्बर 2024)

संतोष राजगढ़िया

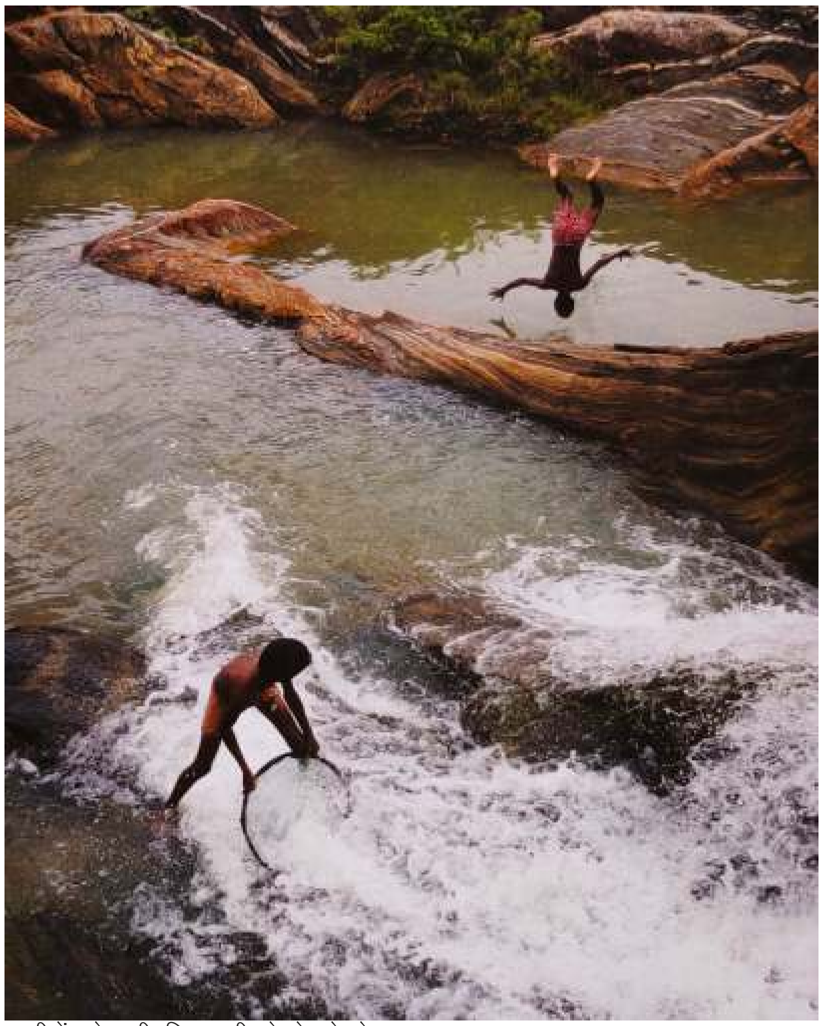

संतोष राजगढ़िया का जन्म 9 अगस्त 1953 को हुआ था, उनका लालन-पालन प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर, रंगीन वातावरण एवं प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षक पुरूलिया जिले में हुआ। पुरूलिया जिला, पूर्वी भारत में पश्चिम बंगाल राज्य के तेईस जिलों में से एक है। पुरूलिया पश्चिम बंगाल का सबसे पश्चिमी जिला है, जो अपने ट्रॉपिकल स्थान, अपने आकार और एक फ़नल की तरह काम करने के कारण अखिल भारतीय महत्व रखता है। यह न केवल खाड़ी से ट्रॉपिकल मानसून धारा को उत्तर-पश्चिम भारत के ट्रॉपिकल भागों में प्रवाहित करता है, बल्कि पश्चिम बंगाल के विकसित औद्योगिक क्षेत्रों और उड़ीसा, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के भीतरी इलाकों के बीच प्रवेश द्वार के रूप में भी कार्य करता है। अपने सुविधाजनक स्थान के कारण, इस स्थान ने भारत के पर्यटन मानचित्र में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है।

युवावस्था में, संतोष राजगढ़िया उस दौर की अलग-अलग पत्रिकाओं में छपी तस्वीरों को बड़ी दिलचस्पी से देखते थे। उनकी फोटोग्राफी की यात्रा 1972 में शुरू हुई जब वे अपने भाई श्याम राजगढ़िया के याशिका 120 एमएम कैमरे के साथ कॉलेज के भ्रमण पर दार्जिलिंग गए थे। राजगढ़िया, एस पॉल, रघु राय, हेनरी कार्टियर ब्रेसो, पेड्रो लुइस राओटा जैसे फोटोग्राफी के उस्तादों से प्रभावित होकर उन्होंने पुरूलिया की पहाड़ियों के परिदृश्य और लोगों को कैमरे में कैद किया। परिवार के सदस्यों से प्रोत्साहन पाकर उन्होंने फोटोग्राफी में अधिक समय देना शुरू कर दिया।

फोटोग्राफी के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के बावजूद राजगढ़िया की मुख्य रूचि पुरूलिया जिले के ग्रामीण जीवन में थी। लोगों की सरल जीवनशैली, उनकी लोक संस्कृति और रंग-बिरंगे त्यौहारों ने उन्हें एक गांव से दूसरे गांव जाकर कैमरे के शटर को जोश और उत्साह के साथ क्लिक करने के लिए मजबूर किया। इसी दौरान उनकी मुलाकात महादेव लाल बरई से हुई, एक वरिष्ठ और बहुत ही उत्सुक फोटोग्राफर थे, जिन्होंने न केवल उन्हें ब्लैक एंड व्हाइट फोटो प्रोसेसिंग सिखाई, बल्कि पुरूलिया जिले के अनदेखे अंदरूनी इलाकों में उनके साथ यात्रा भी की।

इसके साथ राजगढ़िया की रूचि रंगीन फोटोग्राफी में भी विकसित हो चुकी थी। उन्होंने रंग संयोजन, विभिन्न रंगों के मनोवैज्ञानिक प्रभावों का अध्ययन किया और 1983 में चेन्नई के प्रसिद्ध तकनीशियन और फोटोग्राफर के. पोन्नुस्वामी से रंगीन फोटो प्रिंटिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। Ernst Haas, जिन्हें रंगीन फोटोग्राफी का जनक माना जाता है और डी.एस. नाहर के काम ने भी उन्हें बहुत प्रभावित किया।

वैसे तो उन्होंने कभी अपने पुरस्कारों के बारे में बात नहीं की, लेकिन लोगों को यह बताना ज़रूरी है कि उन्होंने फोटोग्राफी के विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सैलून और विभिन्न फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं में 250 से ज़्यादा पुरस्कार जीते हैं। फोटोग्राफी के प्रति उनके सरल और सीधे दृष्टिकोण ने दुनिया भर के लोगों का दिल जीत लिया।

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2024 से 5 दिसम्बर 2024

"प्रकाश फोटोग्राफी का मूल तत्व है। प्रकाश का आलिंगन कीजिये। उससे प्रेम कीजिये। प्रकाश को जानिये। प्रकाश को भली-भांति समझ जाना फोटोग्राफी को समझने की कुंजी है। - जॉर्ज ईस्टमैन

संतोष राजगढ़िया को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सैलून में अध्यक्ष और जूरी सदस्य के रूप में भी सम्मानित किया गया। इनके कार्यों को कई पुस्तकों, पत्रिकाओं और समाचार-पत्रों में प्रकाशित किया गया है। वह सोसाइटी ऑफ़ कैमरा आर्ट्स, पुरुलिया, फ़ोटोग्राफ़िक एसोसिएशन ऑफ़ बंगाल और फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडियन फ़ोटोग्राफ़ी के आजीवन सदस्य थे।

इनकी पहली एकल प्रदर्शनी 1987 में कलकत्ता सूचना केंद्र में और दूसरी 2007 में उसी स्थान पर आयोजित की गई थी। इनकी सुंदर और स्पष्ट तस्वीरों को न केवल फोटोग्राफी कलाकारों ने पसंद किया और सराहा, बल्कि प्रेस, विज्ञापन एजेंसियों और आम दर्शकों ने भी इनकी प्रशंसा की। कोलकाता के लगभग सभी प्रमुख समाचार पत्रों ने इनकी प्रदर्शनियों की समीक्षा की और इनके काम की अत्यधिक प्रशंसा की।

दुर्भाग्यवश, 1996 में इनका स्वास्थ्य खराब हो गया, जिससे इनकी नियमित फोटोग्राफी की दिनचर्या बाधित हो गई। लेकिन इस समय भी, जब भी इनका स्वास्थ्य थोड़ा बेहतर होता, वे अपने कैमरे के साथ बाहर निकल जाते थे।

निष्कर्ष रूप में, यह स्पष्टता के साथ कहा जा सकता है कि संतोष राजगढ़िया 1972 से लेकर अब तक पचास से ज़्यादा वर्षों तक वर्तमान समय के सबसे प्रभावशाली फ़ोटोग्राफ़ी कलाकारों में से एक थे। संतोष अपने कैमरे के शटर का उपयोग एक कवि की बारीकियों और एक चित्रकार की सटीकता के साथ करते थे। सूखी धरती के गले से, आत्मा की प्यास बुझाने के लिए बूँदें भरपूर मात्रा में आती हैं। वास्तव में बारिश खूबसूरत होती है और फ़ोटोग्राफ़र संतोष राजगढ़िया के लेंस के पीछे जब वे पुरुलिया की लाल लेटेराइट मिट्टी पर मूसलाधार बारिश की झलक पाने के लिए जाते हैं तो वो एक शानदार दृश्य बन जाता था।

इनको 2022 में फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी के सर्वोच्च सम्मान, Hon. FIP, 2008 में फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी के फेलो (FFIP), और 1978 में फेडरेशन इंटरनेशनल डी एल'आर्ट फोटोग्राफी द्वारा AFIAP से सम्मानित किया गया। इनको विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं में पुरस्कार मिले थे - जैसे कि यूनेस्को फोटो प्रतियोगिता, कॉमन वेल्थ फोटोग्राफी प्रतियोगिता, ओलंपस अंतर्राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता, निकॉन अंतर्राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता, बेटर फोटोग्राफी फोटो प्रतियोगिता और कई अन्य। इनकी एक हजार से अधिक तस्वीरें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सैलून में स्वीकृत हुई थीं।

इनकी 93 उत्कृष्ट फोटोग्राफिक छवियों की एक कॉफी टेबल बुक "मोमेंट्स इन टाइम" 2023 में प्रकाशित हुई थी, जो एक वास्तविक संग्रह की वस्तु है। मैं भी इस खूबसूरत और महत्वपूर्ण प्रकाशन का एक गौरवशाली मालिक हूँ। संतोष राजगढ़िया जी ने इस प्रतिष्ठित प्रकाशन की एक प्रति अपने हस्ताक्षर के साथ मुझे भेजने की कृपा की थी।

अभी हाल ही में 4 नवम्बर 2024 को संतोष राजगढ़िया जी का स्वर्गवास हो गया और उनके निधन से फोटोग्राफी जगत का चमकता सितारा हमेशा के लिए लुप्त हो गया।

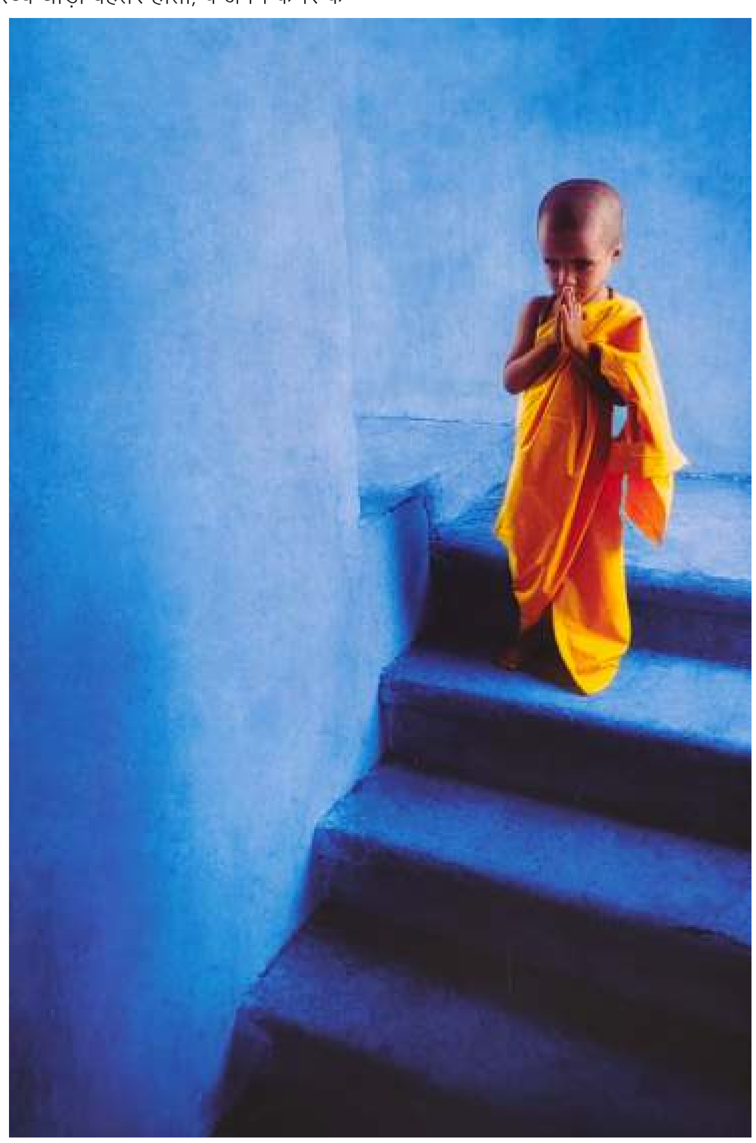

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

क्यों प्रिंटेड वेडिंग एल्बम अभी भी महत्वपूर्ण हैं

एक प्रिंटेड वेडिंग एल्बम से फोटोग्राफरों को अतिरिक्त पैसा मिलता है और उन्हें अपना काम दिखाने का मौका मिलता है। साथ ही, नवविवाहित जोड़ों को एक खूबसूरत और यादगार चीज मिलती है जो उनकी शादी की यादों को हमेशा के लिए संजोए रखती है, जो कि डिजिटल फाइलों की तुलना में ज्यादा सुरक्षित होती है।

आज के समय में, जब हमारे जीवन में फोटो और वीडियो बहुत जल्दी आते और जाते हैं, तब असली छपी हुई चीजों की कीमत, खासकर वेडिंग एल्बम की, बहुत ज्यादा है। ये प्यार और खुशी का एक मजबूत और हमेशा रहने वाला प्रतीक है। हालांकि कई लोग कह सकते हैं कि वेडिंग फोटोग्राफी सिर्फ डिजिटल रूप में हो सकती है, लेकिन प्रोफेशनल फोटोग्राफर और समझदार ग्राहक दोनों ही प्रिंटेड वेडिंग एल्बम के अहमियत को समझते हैं। ये एल्बम सिर्फ पुरानी यादों को संजोने के लिए नहीं है, बल्कि ये ग्राहकों और फोटोग्राफरों दोनों के लिए ठोस और दीर्घकालिक फायदे प्रदान करते हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि यादें सबसे कालातीत और सार्थक तरीके से संरक्षित रहें।

वास्तविक प्रिंटों का स्थायी महत्व

डिजिटल फ़ोटोग्राफ़ी के बढ़ने के कारण तेजी से बदल रहे इस उद्योग में, प्रोफेशनल फ़ोटोग्राफ़रों को प्रिंटिंग को अपनी सेवाओं के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में अपनाना चाहिए। एक प्रिंटेड वेडिंग एल्बम डिजिटल दुनिया की सीमाओं को पार करता है, स्थायित्व और संबंध की भावना प्रदान करता है जिसे एक स्क्रीन कभी भी दोहरा नहीं सकती है। हालांकि डिजिटल फाइलों का इस्तेमाल करना आसान है, लेकिन उनकी कमियां अक्सर नजरअंदाज कर दी जाती हैं। हार्ड ड्राइव या क्लाउड में स्टोर की गई फाइलें खराब हो सकती हैं, गलती से डिलीट हो सकती हैं या पुरानी हो सकती हैं क्योंकि नई स्टोरेज टेक्नोलॉजी पुरानी टेक्नोलॉजी की जगह ले लेती है। इसके परिणामस्वरूप, जो आज स्थायी संग्रह की तरह लग सकता है, वह एक दशक में आसानी से पहुँच से बाहर हो सकता है या खो सकता है।

डिजिटल से परे : एल्बम के वास्तविक फायदे

इसके विपरीत, एक प्रिंटेड वेडिंग एल्बम एक सुगठित, स्पर्शनीय वस्तु है। यह समय की कसौटी पर खरा उतरता है और डिजिटल फाइलों की कमजोरियों से सुरक्षित रहता है। जब कपल्स सालों या दशकों बाद अपने शादी के एल्बम देखते हैं, तो उन्हें अपने खास दिन के सम्मोहन की दुनिया में ले जाती है, वह उन भावनाओं और पलों को फिर से जी लेते हैं जो इसे अविस्मरणीय बनाती है। एल्बम को हाथ में पकड़ने का अहसास, कागज की गुणवत्ता और छपी हुई तस्वीरों की चमक एक ऐसा अनुभव देती है जो कोई भी डिजिटल डिस्प्ले नहीं दे सकता।

एक प्रतिस्पर्धी बाजार में एक खास पहचान

फ़ोटोग्राफ़रों के लिए, सिर्फ पुरानी यादों को संजोए रखने से कहीं ज्यादा फायदे हैं, प्रिंटेड वेडिंग एल्बम पेश करने के। ये एल्बम एक अतिरिक्त कमाई के जरिया हैं जो उनकी मुख्य फ़ोटोग्राफ़ी सेवाओं को पूरा करते हैं। जब ग्राहक अपने लिए एक प्रिंटेड एल्बम चाहते हैं, तो वह केवल तस्वीरें नहीं खरीद रहे होते हैं, बल्कि वे एक सजीव और सोच-समझकर डिजाइन की गई एल्बम खरीद रहे होते हैं जो एक अनूठी और सुसंगत कहानी कहती है। एक उच्च गुणवत्ता वाले वेडिंग एल्बम के निर्माण में डिज़ाइन, चयन और लेआउट में विशेष विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, जिसके लिए अक्सर कई घंटों की सावधानीपूर्वक काम की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त मूल्य के कारण एल्बम की एक उच्च कीमत तय की जा सकती है, जिससे फोटोग्राफर अपनी कुल कमाई बढ़ा सकते हैं।

फोटोग्राफी के बढ़ते प्रतिस्पर्धी बाजार में, प्रिंटेड वेडिंग एल्बम पेश करने से फोटोग्राफर उन लोगों से अलग हो जाते हैं जो केवल डिजिटल फाइलें ही प्रदान करते हैं। वेडिंग एल्बम फोटोग्राफर के ब्रांड की पहचान बन जाता है। यह उसके काम की गुणवत्ता और उसके प्रोफेशनलिज्म को दर्शाता है। वेडिंग एल्बम फोटोग्राफर के लिए एक मार्केटिंग टूल का काम भी करता है। एक अच्छा एल्बम फोटोग्राफर के काम की गुणवत्ता को दिखाता है और उन्हें अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने में मदद करता है। जब नवयुगल अपनी वेडिंग एल्बम अपने दोस्तों और परिवार के सामने गर्व से दिखाते हैं, तो वे अनजाने में फोटोग्राफर के दूत बन जाते हैं। एक खूबसूरती से बना एल्बम लंबे समय तक असर छोड़ता है और फोटोग्राफर की कला और बारीकी पर ध्यान देने की चर्चा को बढ़ावा देता है। इन भौतिक एल्बमों से प्रेरित मुंह-जबानी सिफारिशें भविष्य के ग्राहकों से सुरक्षित करने के सबसे शक्तिशाली तरीकों में से एक है, जिससे प्रिंटेड एल्बम रेफरल व्यवसाय का आधार बन जाता है।

प्रिंटिंग उद्योग को बढ़ावा देना और उसका समर्थन करना

दूसरा महत्वपूर्ण कारक फ़ोटोग्राफ़ी उद्योग की दीर्घकालिक स्थिरता है, जिसका प्रिंट की दुनिया से गहरा संबंध है। प्रिंटेड वेडिंग एल्बमों को बढ़ावा देकर और उनको बनाने से, फ़ोटोग्राफ़र उन व्यवसायों और कारीगरों के नेटवर्क का समर्थन करतें हैं जो उनके अपने स्टूडियो से परे हैं। प्रिंटिंग लैब, एल्बम बाइंडर और पेपर निर्माता सभी उत्पादन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, एक विविध पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान करते हैं जो उच्च गुणवत्ता वाले प्रिंट की निरंतर मांग पर निर्भर करता है। संक्षेप में, प्रिंटेड एल्बम की कला का समर्थन करके, फ़ोटोग्राफ़र व्यापक प्रिंटिंग उद्योग को बनाए रखने में मदद करते हैं, जिससे यह डिजिटल युग में जीवित रहे और विकसित हो सके।

आने वाली पीढ़ियों के लिए विरासत बनाना

ग्राहकों के लिए, एक प्रिंटेड वेडिंग एल्बम सिर्फ खूबसूरती से व्यवस्थित तस्वीरों का एक सेट नहीं है, यह एक वास्तविक विरासत है। डिजिटल इमेज के युग में, जहाँ तस्वीरों को अक्सर स्क्रॉल करके भूल जाते हैं, एक प्रिंटेड एल्बम एक पारिवारिक विरासत बन जाता है, जो पीढ़ियों तक चलता है। जैसे-जैसे साल बीतते जाएंगे, बच्चे और पाते-पोतियाँ पन्नों को पलटते हुए प्यार और खुशी के पलों का अनुभव करेंगे, जैसे कि वे खुद वहाँ मौजूद थे। अतीत से जुड़ा यह स्पर्शनीय, भावनात्मक संबंध कुछ ऐसा है जिसे कोई भी डिजिटल स्लाइड शो दोहरा नहीं सकता है।

एक बहु-संवेदी अनुभव जो लंबे समय तक बना रहता है

एक प्रिंटेड वेडिंग एल्बम को हाथ में पकड़ने में एक अटूट भावनात्मक ताकत भी होती है। एल्बम की भौतिकता - वजन, बनावट और तस्वीरों की गहराई - एक बहु-संवेदी अनुभव पैदा करती है, जो लंबे समय तक देखने की इच्छा को बढ़ावा देती है। जोड़े और उनके परिवार डिजिटल फ़ाइलों को स्क्रॉल करने की तुलना में प्रिंटेड एल्बम की सराहना करने में अधिक समय व्यतीत करते हैं। एल्बम का लेआउट, प्रवाह और शिल्प कौशल एक कथात्मक संरचना प्रदान करता है जो शादी के दिन को एक सुसंगत, भावनात्मक यात्रा के रूप में फिर से जीने की अनुमति देती है। एल्बम शुरू से अंत तक एक कहानी बताती है, न केवल भव्य क्षणों को बल्कि सूक्ष्म भावनाओं, विवरणों और स्पष्ट बातचीत को भी कैप्चर करता है जो दिन को परिभाषित करते हैं।

इसके अलावा, प्रिंटेड एल्बमों के माध्यम से वेडिंग की यादों को सहेजना तकनीकी रूझानों से परे है। जैसे-जैसे वर्षों में प्रारूप और डिवाइस बदलते हैं, डिजिटल फ़ाइलें नए सिस्टम के साथ अप्राप्य या नई प्रणालियों के साथ असंगत हो सकती हैं। इसके विपरीत, एक अच्छी तरह से संरक्षित प्रिंटेड एल्बम पीढ़ियों तक चल सकता है, जिसके लिए मनुष्य की आंख के अलावा किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं होती है। जबकि क्लाउड स्टोरेज और हार्ड ड्राइव पुराने हो सकते हैं, एक उच्च गुणवत्ता वाला वेडिंग एल्बम एक स्थायी और सुलभ खजाना बना रहेगा।

प्रिंट का वास्तविक मूल्य

अंततः, वेडिंग एल्बम को प्रिंट करने का कार्य इस व्यापक दर्शन से मेल खाता है कि जीवन के कुछ क्षण इतने महत्वपूर्ण होते हैं कि उन्हें डिजिटल दुनिया तक सीमित नहीं रखा जा सकता। जैसे - शादी जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर प्यार, परिवार और समय के गुजरने का उत्सव होते हैं - ऐसे मौके होते हैं जिनका सम्मान ऐसे रूप में किया जाना चाहिए जो उनके महत्व को दर्शाता हो। फ़ोटोग्राफ़रों के लिए, प्रिंटेड एल्बम ग्राहक को देने का निर्णय केवल उसकी अतिरिक्त आय या उद्योग की स्थिरता के बारे में नहीं है; यह उन गहरे भावनात्मक मूल्यों को पहचानने के बारे में है जो ये एल्बम ग्राहकों ग्राहकों के लिए रखते हैं। यह एक ऐसा उत्पाद बनाने के बारे में है जो समय की कसौटी पर खरा उतरे और एक जोड़े की विरासत का एक प्रिय क्षण बन जाएगा।

निष्कर्षः प्रिंट के माध्यम से स्मृतियों का सम्मान

निष्कर्ष में, जबकि डिजिटल युग तस्वीरों तक सुविधा और त्वरित पहुँच प्रदान करता है, यह प्रिंटेड वेडिंग एल्बम है जो वास्तव में एक जोड़े के सबसे प्रिय दिन का सार कैप्चर करता है। फ़ोटोग्राफ़रों के लिए, ये एल्बम अतिरिक्त आय का एक मूल्यवान स्रोत प्रदान करते हैं, रेफरल के माध्यम से प्रभावी मार्केटिंग टूल के रूप में काम करते हैं, और उनके व्यवसायों और व्यापक फ़ोटोग्राफ़ी उद्योग दोनों की स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद करते हैं। ग्राहकों के लिए, एक प्रिंटेड एल्बम उनकी यादों में एक कालातीत निवेश है - प्यार और खुशी की एक भौतिक अभिव्यक्ति जिसे पीढ़ियों तक रखा जा सकता है। प्रिंटेड वेडिंग एल्बमों की परंपरा को अपनाने में, फ़ोटोग्राफ़र और ग्राहक दोनों प्रिंटेड तस्वीरों की स्थायी शक्ति का सम्मान करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन तस्वीरों में कैद की गई कहानियाँ आने वाले वर्षों तक बताई जाती रहेंगी।

विमल परमार
Independent Marketing Consultant
Digital Print Evangelist
@vimalparmar

वर्कशॉप, एवं अन्य कार्यक्रम

हरदोई फोटोग्राफर्स एसोसिएशन द्वारा वरिष्ठ फोटोग्राफर राम स्वरूप का सम्मान (13 अक्टूबर 2024)

कैनन द्वारा फोटोग्राफी वर्कशाप, लखनऊ (15 अक्टूबर 2024)

सोनी कैमरा वर्कशाप, मोहम्मदी, लखीमपुर खीरी (22 अक्टूबर 2024)

सोनी कैमरा वर्कशाप, गोला गोकर्णनाथ, लखीमपुर खीरी (24 अक्टूबर 2024)

फोटो एडिटिंग और वेडिंग एलबम डिजाईन वर्कशाप, गाजीपुर (मेंटर राजीव शर्मा) (26 अक्टूबर 2024)

न्यू बनारस कैमरा सोसायटी द्वारा दीपावली मिल समारोह का आयोजन, वाराणसी (03 नवम्बर 2024)

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2024 से 5 दिसम्बर 2024

फोटोग्राफी दुनिया को समझने की कुंजी है। - बेरेनिस एबोट

बिहार फोटो वीडियो एक्सपो, पटना (18-20 अक्टूबर 2024)

फोटो : मिथिलेश उपाध्याय, वाराणसी

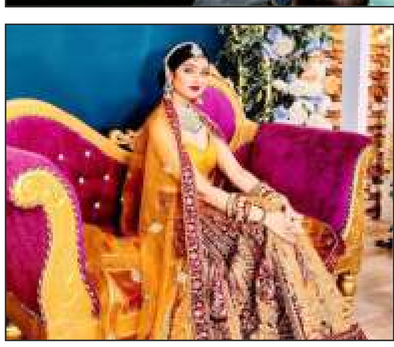

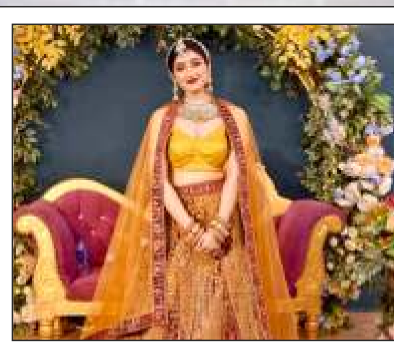

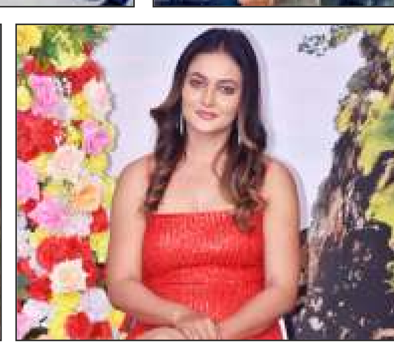

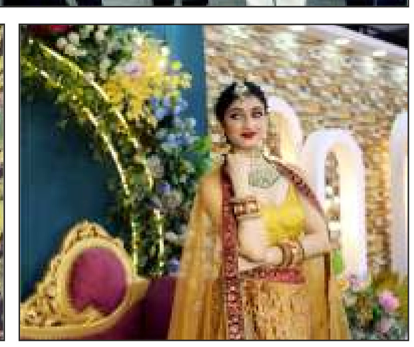

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेल: mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in